राज्य हित में एक-एक शोध प्रस्तुत करें विश्वविद्यालय

राज्यपाल ले.ज. गुरमीत सिंह (सेनि) के बेस्ट टीचर व बेस्ट रिसर्चर अवार्ड शुरू करने के निर्देश

राज्य ब्यूरो, देहरादून : राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने कहा कि वन यूनिवर्सिटी-वन रिसर्च योजना के अंतर्गत सभी राजकीय विश्वविद्यालय अपनी विशेषज्ञता के आधार पर राज्य हित में एक-एक शोध प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के शोध के आधार पर तैयार दस्तावेज को धरातल पर क्रियान्वित करने को सरकार से साझा किया जाएगा।

राज्यपाल गुरमीत सिंह ने गुरुवार को राजभवन में राजकीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों एवं शासन के उच्चाधिकारियों की बैठक ली। बैठक में सभी कुलपतियों ने शोध किए जाने वाले विषयों पर अपने-अपने प्रस्तुतीकरण दिए। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि वन यूनिवर्सिटी-वन रिसर्च पर आधारित यह शोध राज्य के विकास और नागरिकों के जीवन उन्नयन के लिए उपयोगी साबित हो। विश्वविद्यालय एक वर्ष तक अपने गहन शोध के माध्यम से अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करें, जो राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए। विवि अपनी विशेषज्ञता के अनुसार शोध के विषय चयन करेंगे। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों के शोध एवं अनुसंधान का लाभ व्यक्तियों को मिले तभी इसकी सार्थकता होगी। उन्होंने निर्देश दिए कि डिजिटलीकरण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और तकनीकी का उपयोग करते हुए विवि में जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करें। प्रत्येक कार्यप्रणाली में तकनीक का अधिक से अधिक उपयोग करें। उन्होंने नई तकनीकों पर आधारित विवि की बेस्ट प्रैक्टिस आपस में साझा करने पर भी बल दिया।

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने गुरुवार को राजभवन में राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक ली। बैठक में सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति और शासन के उच्चाधिकारी मौजूद रहे • सूवि

कुलपतियों के नवाचारों को सराहा

राज्यपाल ने कुलपतियों की ओर से विश्वविद्यालयों में किए जा रहे नवाचारों को सराहा। साथ ही अधिक बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। बैठक में विश्वविद्यालयों से संस्थानों की संबद्धता सहित अन्य बिन्दुओं पर भी विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन, सचिव डा पंकज कुमार पांडेय, चंद्रेश कुमार यादव, दीपेंद्र चौधरी, विधि परामर्शी राज्यपाल अमित कुमार सिरोही, अपर सचिव स्वाति एस भदौरिया, डा आशीष कुमार श्रीवास्तव, डा विजय जोगदंडे, नमामि बंसल सहित राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति उपस्थित रहे।

अंक पत्रों-उपाधियों में डुप्लीकेसी पर रोक

बैठक में यूटीयू के कुलपति प्रो ओंकार सिंह ने विश्वविद्यालय द्वारा दी जाने वाली अंक तालिका एवं उपाधियों में सुरक्षा विशेषता संबंधी प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने बताया कि छात्रों को दी जाने वाले उपाधि व अंक तालिकाओं में 25 सुरक्षा विशेषता हैं जो डुप्लीकेसी की संभावना को खत्म करेगी। विश्वविद्यालय ने इसकी शुरुआत कर दी है। उन्होंने इसका प्रस्तुतीकरण भी दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय में प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण से संबंधित अन्य नवाचारों की भी जानकारी दी। राज्यपाल ने तकनीकों पर आधारित नवाचारों के लिए उनकी पीठ थपथपाई।

यूटीयू की ई-लाइब्रेरी का उद्घाटन

राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों में शिक्षकों व शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित करने को बेस्ट टीचर व बेस्ट रिसर्चर अवार्ड शुरु करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि इससे शिक्षक व शोधार्थी प्रेरित होंगे और वे अधिक ऊर्जा के साथ कार्य करेंगे। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों में ई-लाइब्रेरी स्थापित करने को कुलपतियों को निर्देशित किया। राज्यपाल ने वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) की ई-लाइब्रेरी का उद्घाटन भी किया। इस ई-लाइब्रेरी में 7.24 लाख पाठ्यसामग्री उपलब्ध हैं। इसमें एक हजार से अधिक विश्वविद्यालयों के ई-शोध पत्र, एक लाख से अधिक वीडियो लेक्चर और 19 हजार से अधिक ई-बुक्स उपलब्ध रहेंगी।